C.B.S.E

कक्षा : 10

विषय : हिंदी 'अ'

निर्धारित समय : 3 घंटे **अधिकतम अंक : 80**

सामान्य निर्देश:

1. इस प्रश्न-पत्र के चार खंड हैं- क, ख, ग, और घ।

2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रम से लिखिए।

4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।

5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।

6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खंड - क

[अपठित अंश]

प्र. 1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

(1×2=2) (2×4=8) [10]

जीवन तीन तरह का होता है। पहला परोपकारी जीवन, दूसरा सामान्य जीवन और तीसरा अपकारी जीवन। इसे उत्तम, मध्यम और अधम जीवन भी कहते है। उत्तम जीवन उनका होता है, जिन्हें दूसरों का उपकार करने में सुख का एहसास होता है, भले ही उन्हें कष्ट या नुकसान उठाना पड़े। इसे यज्ञीय जीवन भी कहा जाता है। यही दैवत्वपूर्ण जीवन है। इस जीवन का आधार यज्ञ होता है। शास्त्र में यज्ञ उसे कहा गया है, जिनसे प्राणीमात्र का हित होता है। यानी जिन कर्मों से समाज में सुख, ऐश्वर्य और प्रगति में बढ़ोत्तरी होती है। चारों वेदों में कहा गया है धरती का केंद्र या आधार यज्ञपूर्ण जीवन ही है, यानी सत्कर्मों पर ही यह धरती टिकी हुई है। इसलिए कहा गया है कि यदि पृथ्वी

को बचाना है तो श्रेष्ठ कर्मों की तरफ़ समाज को लगातार प्रेरित करने के लिए कार्य करना चाहिए। सामान्य जीवन वह होता है जो परंपरा के मुताबिक चलता है। यानी अपना और दूसरे का स्वार्थ सधता रहे। कोई बहुत ऊँची समाजोत्थान या परोपकार ही भावना नहीं होती है। अपकारी यानि दूसरों को परेशान और दुख देने वाला जीवन ही राक्षसी जीवन या शैतानी ज़िदगी कही जाती है। इस तरह के जीवन से ही समाज में सभी तरह की समस्याएँ पैदा होती हैं। इस धरती को यदि समस्याओं और हिंसा से मुक्त करना है तो दैवत्वपूर्ण जीवन की तरफ विश्व और समाज को चलना पड़ेगा। सत्कर्म तभी किए जा सकते हैं, जब हम सोच-विचार कर कर्म करेंगे। विचार के साथ किया हुआ कर्म ही अपना हित तो करता है परिवार, समाज और दुनिया का भी इससे भला होता है। जितना हम प्राणीहित के लिए संकल्पित होंगे, उतना हमारा बौद्धिक और आत्मिक उत्थान होता जाएगा। हमारे अंदर मनुष्यता के भाव लगातार बढ़ते जाएँगे। प्रेम, दया करुणा, अहिंसा, सत्य और सद्भावना की प्रवृत्ति लगातार बढ़ती जाएगी। और ये सारे सद्गुण ही जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए ज़रूरी माने गए हैं।

1. यज्ञीय जीवन किसे कहा गया है?
2. सामान्य जीवन क्या है?
3. धरती को सभी समस्याओं से मुक्त करने के लिए हमें क्या करना होगा?
4. जीवन यज्ञ को सफल बनाने के लिए क्या ज़रूरी है?
5. शास्त्र में यज्ञ किसे कहा गया है?
6. उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।

खंड - ख

[व्यावहारिक व्याकरण]

प्र. 2. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x4=[4]

1. जब राधिका ने मेहनत की, तब वह प्रथम आई। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)
2. जब प्रात:काल हुआ तब पक्षी चहचहाने लगे। (संयुक्त वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
3. परिश्रमी को सफलता मिलती है। (मिश्र वाक्य में रूपांतरित कीजिए।)
4. घायल होने के कारण वह उड़ नहीं पाया। (रचना की दृष्टि से वाक्य का प्रकार बताइए।)

प्र. 3. निम्नलिखित वाक्यों में रेखांकित पदों का परिचय दीजिए: 1x4=[4]

1. **यह** पुस्तक मेरी है।
2. गीता ने पुस्तक **पढ़** ली।
3. **जल्दी** चलो गाडी जानेवाली है।
4. वाह उपवन में **सुंदर** फूल खिले हैं।

प्र. 4. निर्देशानुसार उत्तर दीजिए: 1x4=[4]

1. माँ भाग नहीं सकती। (भाववाच्य में बदलिए।)
2. बालक ने बदमाशों को पकड़ा। (कर्मवाच्य में बदलिए।)
3. मैं अलमारी नहीं खोल सकता। (कर्मवाच्य में बदलिए।)
4. मम्मी बर्तन धोती है। (कर्मवाच्य में बदलिए।)

प्र. 5. निम्नलिखित काव्यांशों में प्रयुक्त रस पहचानिए: 1x4=[4]

1. वह खून कहो किस मतलब का, जिसमें उबाल का नाम नहीं।
   वह खून कहो किस मतलब का, आ सके देश के काम नहीं।

2. एक अजगरहि लखि, एक मृगराय।
   विकल वटोही बीच ही परयो मूर्च्छा खाय।।
3. श्रीकृष्ण के सुन वचन अर्जुन क्षोभ से जलने लगे। सब शील अपना भूल कर करतल युगल मलने लगे॥ संसार देखे अब हमारे शत्रु रण में मृत पड़े। करते हुए यह घोषणा वे हो गए उठ कर खड़े॥ (मैथिलीशरण गुप्त)
4. सर पर बैठयो काग, आँख दोउ खात निकारत।
   खीचत जीभही स्यार, अतिहि आनंद उर धारत।।

खंड - ग

[पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पुस्तक]

प्र. 6. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के लिए सही उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए: 2+2+2=[6]

पर यह पितृ-गाथा मैं इसलिए नहीं गा रही कि मुझे उनका गौरव-गान करना है, बल्कि मैं तो यह देखना चाहती हूँ कि उनके व्यक्तित्व की कौन-सी खूबी और खामियाँ मेरे व्यक्तित्व के ताने-बाने में गुँथी हुई हैं या कि अनजाने-अनचाहे किए उनके व्यवहार ने मेरे भीतर किन ग्रंथियों को जन्म दे दिया। मैं काली हूँ। बचपन में दुबली और मरियल भी थी। गोरा रंग पिता जी की कमज़ोरी थी सो बचपन में मुझसे दो साल बड़ी, खूब गोरी, स्वस्थ और हँसमुख बहिन सुशीला से हर बात में तुलना और फिर उसकी प्रशंसा ने ही, क्या मेरे भीतर ऐसे गहरे हीन-भाव की ग्रंथि पैदा नहीं कर दी कि नाम, सम्मान और प्रतिष्ठा पाने के बावज़ूद आज तक मैं उससे उबर नहीं पाई? आज भी परिचय करवाते समय जब कोई कुछ विशेषता लगाकर मेरी लेखकीय उपलब्धियों का ज़िक्र करने लगता है तो मैं संकोच से सिमट ही नहीं जाती बल्कि गड़ने-गड़ने को हो आती हूँ। शायद अचेतन की किसी पर्त

के नीचे दबी इसी हीन-भावना के चलते मैं अपनी किसी भी उपलब्धि पर भरोसा नहीं कर पाती...सब कुछ मुझे तुक्का ही लगता है।

1. प्रस्तुत गद्यांश में लेखिका किस के बारे में बात कर रही है?
2. लेखिका बचपन में कैसी दिखती थी इसका उनके जीवन पर क्या परिणाम हुआ?
3. लेखिका के जीवन पर पिताजी का क्या प्रभाव पड़ा?

प्र. 7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. भगत की पुत्रवधू उन्हें अकेले क्यों नहीं छोड़ना चाहती थी?
2. बिना विचार, घटना और पात्रों के भी क्या कहानी लिखी जा सकती है। यशपाल के इस विचार से आप कहाँ तक सहमत हैं?
3. लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है?
4. मूर्ति पर सरकंडे का चश्मा क्या उम्मीद जगाता है?
5. रसूलन बाई और बतूलन बाई के यहाँ से होकर बालाजी मंदिर जाना बिस्मिल्ला खाँ को अच्छा क्यों लगता था?

प्र. 8. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2+2+2=[6]

छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
जीवन में हैं सुरंग सुधियाँ सुहावनी
छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी;
तन-सुगंध शेष रही, बीत गई यामिनी,
कुंतल के फूलों की याद बनी चाँदनी।
भूली-सी एक छुअन बनता हर जीवित क्षण-
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
छाया मत छूना

(क) 'छाया' शब्द यहाँ किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है?

(ख) कवि ने छाया' को छूने के लिए मना क्यों किया है?

(ग) 'छवियों की चित्र-गंध फैली मनभावनी' का आशय स्पष्ट कीजिए।

प्र.9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 2x4=[8]

1. 'मरजादा न लही' के माध्यम से कौन-सी मर्यादा न रहने की बात की जा रही है?
2. कवि की आँख फागुन की सुन्दरता से क्यों नहीं हट रही है?
3. परशुराम ने अपने विषय में सभा में क्या-क्या कहा?
4. आप अपने जीवन में मुख्य कलाकार की भूमिका निभाना पसंद करेंगे या संगतकार की? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
5. फागुन में ऐसा क्या है जो बाकि ऋतुओं से भिन्न है? ‘अट नहीं रही’ कविता के आधार पर बताएँ।

प्र.10. निम्नलिखित पूरक पुस्तिका के प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 3×2=[6]

1. देश की सीमा पर बैठे फ़ौजी कई तरह से कठिनाईयों का मुकाबला करते है। सैनिकों के जीवन से किन-किन जीवन-मूल्यों को अपनाया जा सकता है? चर्चा कीजिए।
2. प्रस्तुत पाठ के आधार पर यह कहा जा सकता है कि बच्चे का अपने पिता से अधिक जुड़ाव था, फिर भी विपदा के समय वह पिता के पास न जाकर माँ की शरण लेता है। आपकी समझ से इसकी क्या वजह हो सकती है?
3. दिल्ली की कायापलट क्यों होने लगी?

खंड - घ

[लेखन]

प्र. 11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 200 से 250 शब्दों में निबंध लिखिए: [10]

- श्रम की महत्ता
- विद्यालय वार्षिकोत्सव

प्र. 12. निम्न विषयों में से किसी एक विषय पर पत्र लेखन करें। [5]

अपने क्षेत्र के पोस्टमास्टर को ठीक से डाक वितरण न होने की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

अथवा

छात्रावास में रहने वाली अपनी छोटी बहन को फैशन की ओर अधिक रुझान न रख, ध्यानपूर्वक पढ़ाई करने की सीख देते हुए 80 से 100 शब्दों में पत्र लिखिए।

प्र. 13. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 25 से 30 शब्दों में विज्ञापन तैयार कीजिए। [5]

1. कपड़े धोने वाले पावडर का विज्ञापन तैयार कीजिए:
2. वजन बढ़ाने संबंधी दवाई कंपनी द्वारा दिए गए विज्ञापन का प्रारुप (नमूना) तैयार कीजिए: